महामहिम राज्यपाल श्री राम नरेश यादव का नेतृत्व विकास शिविर- 2013 में उद्बोधन

स्थान:- भोपाल दिनांक :-27 जनवरी, 2013 समय :- प्रात: 11 बजे

पूर्व वर्षों की भांति, इस वर्ष भी 22 से 27 जनवरी तक आयोजित किये जा रहे नेतृत्व विकास शिविर में आये बच्चों के बीच मुझे उपस्थित होकर प्रसन्नता हो रही है। इस शिविर के माध्यम से आदिवासी विद्यार्थियों को इतना सशक्त और सार्मथ्यवान बनाया जा रहा है कि वे अपनी जिज्ञासाओं और समस्याओं पर निडर होकर बात कर सकें और उन्हें अपने निर्धारित लक्ष्यों और उद्देश्यों तक पहुंचने में मदद भी मिले।

आप समस्त छात्र-छात्राओं को देश के 64वें गणतंत्र दिवस की हार्दिक शुभकामनाएं। आप प्रदेश के दूरस्थ अंचलों के प्रतिनिधि हैं। वर्तमान समय में अपना कॅरियर चुनने के लिये आपको अनेकों चुनौतियों का सामना करना है। अत: आपमें नेतृत्व क्षमता होना एवं इसे विकसित करना आवश्यक है।

प्रतिभा किसी जाति अथवा वर्ग विशेष की आश्रित नहीं होती। निरंतर आगे बढ़ना ही विकास का मूलमंत्र है। इस मूलमंत्र को आत्मसात करें और विशेषज्ञों के मार्गदर्शन का लाभ उठायें।

अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता विकसित करने के लिए, मध्यप्रदेश में प्रति वर्ष राज्य स्तरीय शिविर का आयोजन एक अच्छी पहल है। मुझे यह जानकर प्रसन्नता हुई है कि अनुसूचित जाति एवं जनजाति के छात्रों की समाज में सक्रिय भागीदारी के लिए, राज्य शासन इस शिविर के माध्यम से इन वर्गों के छात्र-छात्राओं को विगत 13वर्षों से सुअवसर उपलब्ध करा रहा है।

मध्यप्रदेश में आदिवासी एवं अनुसूचित जाति वर्ग के विद्यार्थियों के शिक्षा स्तर में, काफी सुधार दिखाई दे रहा है। राज्य शासन के विशेष प्रयासों के परिणामस्वरूप इन वर्गों के विद्यार्थी भी सामान्य वर्गों के विद्यार्थियों की तरह ही, बोर्ड की परिक्षाओं में मेरिट में स्थान अर्जित करने में सफल हो रहे हैं।

शिक्षा ही सफलता की कुंजी है। इस शाश्वत सत्य का महत्व हम सभी जानते हैं। इसलिये सभी को शिक्षा प्राप्त करने के अवसर और सुविधाएं उपलब्ध कराना राज्य शासन का मूलभूत दायित्व है। अनिवार्य और नि:शुल्क शिक्षा के साथ-साथ छात्रावास की सुविधा देकर प्रदेश के

आदिवासी और विशेष पिछड़ी जाति के विद्यार्थियों को शिक्षा सुलभ करवाने के सकारात्मक परिणाम सामने आये हैं। इस वर्ग के बच्चे न केवल शिक्षित हो रहे हैं बल्कि अपने उज्जवल भविष्य के प्रति आशान्वित भी हैं।

आप समस्त विद्यार्थी आने वाले कल के स्वर्णिम भारत के निर्माता हैं। इसलिए आपको देश और समाज के प्रति अपने अधिकारों के साथ-साथ, अपने उत्तरदायित्वों को निभाने के लिए भी सदैव तैयार रहना चाहिए। जीवन में चरित्र और नैतिकता के गुणों तथा सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ें, समाज को कुरीतियों से बचाने में अपना सहयोग प्रदान करें, आपस में मिलजुलकर रहें और एक-दूसरे के सहयोगी बनें।

अवसरों का भरपूर लाभ उठाइये और अपने जीवन को नई दिशा देने का प्रयास करिये। अपनी जिज्ञासाओं को दबाएं नहीं। अपने सपनों को झुठलाएं नहीं। शिविर में आपका मार्गदर्शन करने वाले, सभी विद्वजनों को अपना गुरू मानिये। शासन और समाज हमेशा आपके साथ है। आप सभी विद्यार्थियों से मेरा आग्रह है कि आगे बढ़ने के अवसरों को हाथ से न जाने दें।

मैं आप सभी विद्यार्थियों के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं।

जय हिन्द।